पहल : खूंटी जिले के अड़की प्रखंड के वन धन विकास केंद्र के माध्यम से विभिन्न तालाबों में मोती की खेती की जाएगी

मोती की खेती कर गरीबी भगाएं किसान : अर्जुन

अड़की | प्रतिनिधि

खूंटी जिले के गांवों की गरीबी खत्म करने के लिए मोती की खेती की शुरुआत की गई। अड़की में सोमवार को केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, पूर्व लोकसभा उपाध्यक्ष कड़िया मुंडा, डीसी शशिरंजन तथा ट्राइफेड के एसके राजू ने संयुक्त रूप से मोती की खेती शुरू की। अड़की के वन धन विकास केंद्र द्वारा जिले के विभिन्न तालाबों में मोती की खेती की जाएगी।

अड़की के सिंदरी बीडीबीके के किसानों को मोती की खेती का प्रशिक्षण दिया गया है। जिस तरीके से समुद्र और सागरों से गोताखोर मोती चुनते हैं, अब उसी तर्ज पर ट्राइफेड के माध्यम से तकनीकी प्रशिक्षण लेकर स्थानीय किसान तालाबों में मोती की खेती कर अपनी आर्थिक स्थिति सशक्त बनाएंगे। खूंटी जिला प्रशासन का उद्देश्य है कि जिले के अड़की, सिंदरी और बिरबांकी इलाके में बड़े पैमाने पर मोती की खेती की जाएगी। यहां के किसान मोती की खेती कर अपनी आमदनी दोगुना कर सकते हैं।

अड़की में सोमवार को सीप के अंदर छिपे मोती को देखते अर्जुन और कड़िया मुंडा।

जनजातीय विकास की नई दिशा प्रशस्त होगी : डीसी शशि रंजन ने कहा कि एक सफल प्रयास के रूप में मोती की खेती की जा रही है। इससे जनजातीय विकास की नई दिशा प्रशस्त होगी। कार्यक्रम में डीडीसी अरुण सिंह, एसडीएम सैयद रियाज अहमद, ट्राइफेड के क्षेत्रीय निदेशक एसके राजू, बीडीओ नरेंद्र नारायण, सांसद प्रतिनिधि अनूप साहू, एसटी मोर्चा जिलाध्यक्ष संजय मुंडा, मंडल अध्यक्ष मोती पातर, जेएसएलपीएस के अधिकारी और ग्रामीण मौजूद थे।

प्रशिक्षण

14 फरवरी को अड़की के किसानों को मोती की खेती का प्रशिक्षण दिया

- किसानों की आमदनी दोगुना करने में जुटा है प्रशासन

जल, जंगल और जमीन को बचाएं : कड़िया

पूर्व लोकसभा उपाध्यक्ष कड़िया मुंडा ने कहा कि जनजातीय समुदाय के जल, जंगल और जमीन तथा उनकी परंपरा और संस्कृति को बचाए रखने हेतु आगे आने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि झारखंड की संस्कृति, अस्मिता एवं पहचान को राजनीतिक धरातल पर उतारने का काम किया जा रहा है। वन धन विकास की ये योजनाएं हमारे खूंटी जिले को गौरवान्वित करती है। आशा है कि हमारे किसान प्रशिक्षित होकर कौशल विकास की ओर बढ़ेंगे। इससे किसानों की आय बढ़ेगी।

खेती के लिए दिया जाएगा तकनीकी प्रशिक्षण

अड़की। केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि शृंगार के तौर पर बड़े-बड़े व्यापारिक प्रतिष्ठानों में मोती का व्यापार किया जाता है। अब जमीन से जुड़े किसान ट्राइफेड के माध्यम से तकनीकी प्रशिक्षण लेकर छोटे-बड़े तालाबों में बड़े पैमाने पर मोती की खेती करेंगे। जनजातीय मंत्रालय लगातार पूरे देश के विभिन्न राज्यों में जिलावार अलग-अलग खेती को बढ़ावा देने का काम कर कर रहा है। झारखंड के जंगल-पहाड़ों में मिलने वाले वनोपजों का उचित मूल्य किसानों को मिले, इसके लिए ट्राइफेड जनजातीय मंत्रालय के साथ मिलकर काम करने की ओर अग्रसर है।

विभिन्न जिले में कहीं बांस की खेती, साग सब्जी की खेती, लींग, इलायची की खेती, लाह की खेती सहित अब मोती की खेती को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि प्रखंड के अड़की, सिंदरी एवं बीरबांकी को इस खेती के लिए प्राथमिकता के तौर पर चुना गया है।

इसकी खेती कर किसान कम लागत में अधिक मुनाफा कमा सकते हैं। फसल तैयार होने पर ट्राइफेड के माध्यम से बाजार उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने जनजाति समुदाय के लिए केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ लेने की अपील की। मौके पर काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

गांव-

बेड़ो के

बेड़ो

बेड़ो। प्र
रविवार
खुरहाटो
दिया। च
और अन
पंचायत
लिया औ
नुकसान

बेटी के
किया